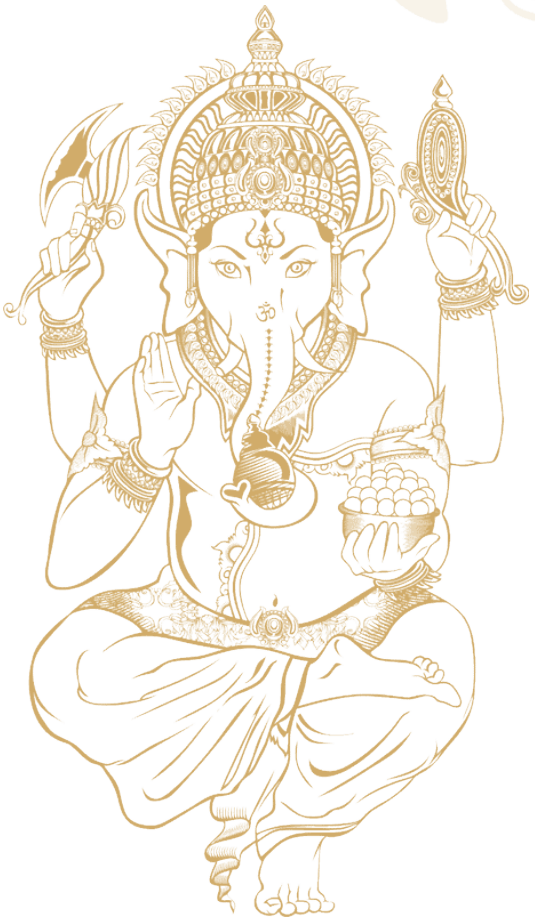

Dev Chak

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121035202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/02/1997	जन्म तिथि	30-31/01/2001
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 22:15:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 38:15:07	जन्म समय(घटी)	52:22:30 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Rohtak
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:56:57	सूर्योदय	07:13:23
18:05:56	सूर्यास्त	18:00:28
23:49:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:04

विंशोत्तरी शनि 7वर्ष 9मा 1दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 2वर्ष 10मा 12दि	
केतु		24:16:33	कन्या	लग्न	वृश्चि	27:34:46	शुक्र	
13/11/2021		28:10:49	मक	सूर्य	मक	17:14:36	13/12/2010	
13/11/2028		11:13:30	मीन	चंद्र	मीन	27:45:06	13/12/2030	
केतु	11/04/2022	11:58:03	कन्या व	मंगल	तुला	28:07:01	शुक्र	14/04/2014
शुक्र	11/06/2023	08:17:24	मक	बुध	कुंभ	05:19:00	सूर्य	14/04/2015
सूर्य	17/10/2023	10:52:17	मक	गुरु	वृष	07:22:23	चन्द्र	13/12/2016
चन्द्र	17/05/2024	15:35:20	मक	शुक्र	मीन	03:36:22	मंगल	12/02/2018
मंगल	13/10/2024	10:44:14	मीन	शनि	वृष	00:13:29	राहु	12/02/2021
राहु	01/11/2025	05:23:15	कन्या	राहु व	मिथु	21:18:58	गुरु	14/10/2023
गुरु	08/10/2026	05:23:15	मीन	केतु व	धनु	21:18:58	शनि	13/12/2026
शनि	17/11/2027	11:48:16	मक	हर्ष	मक	26:23:44	बुध	13/10/2029
बुध	13/11/2028	04:31:48	मक	नेप	मक	12:34:22	केतु	13/12/2030
		11:35:25	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:49:08		

लग्न-चलित

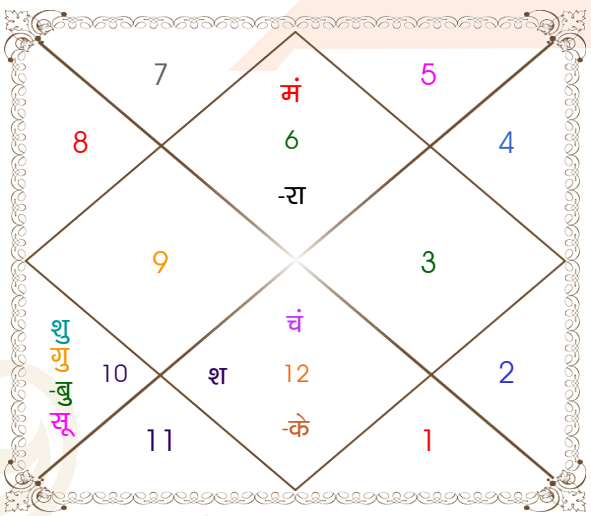

लग्न-चलित

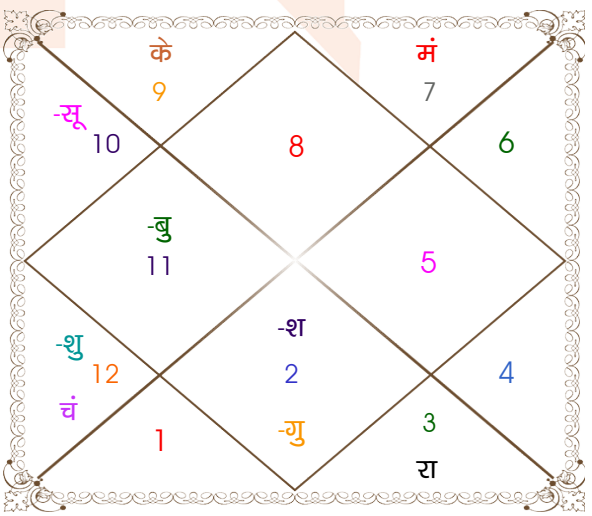

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

Dev का वर्ग सिंह है तथा Chak का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dev और Chak का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Dev मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Dev कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Chak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Chak कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Dev तथा Chak में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।